अनुसंधान क्रियाविधि

(Research Methodology)

क. शोध–व्युत्पत्ति, अर्थ तथा अन्य समानार्थक शब्द

शोध का प्रयोजन तत्त्व और स्वरूप

शोध एवं आलोचना

हिन्दी में शोध कार्य की परम्परा

हिन्दी शोध की समस्याएं

ख. शोध के प्रकार

1. शुद्ध साहित्यिक शोध–

1. साहित्यिक शोध

2 तुलनात्मक साहित्यिक शोध

3. लोक साहित्य संबंधी शोध

4. पांडुलिपि से संबंधित शोध

2. अन्तरविधावर्ती शोध–

1. साहित्य की समाजशास्त्रीय शोध,

2. साहित्य की मनोवैज्ञानिक शोध

3. साहित्य की सांस्कृतिक शोध।

ग. शोध की वैज्ञानिक दृष्टि–तथ्यानुसन्धान और तथ्य परीक्षण।

संबंध–सूत्रों का अन्वेषण। आगमन और निगमन प्रणालियां।

प्रमाण मीमांसा। (साहित्यिक नकल पूर्वकृत कार्य की नकल) अन्तर्विरोध और समग्रता की पहचान।

घ. विषय–चयन तथा शोध–प्रविधि–

1.विषय चयन 2 विषय की रूपरेखा 3. सामग्री संकलन 4. सामग्री का विभाजन 5. उद्धरण तथा संदर्भोलेख/पादटिप्पणी की पद्धति 6. उपसंहार एवं उपलब्धि 7. परिशिष्ट 8. अनुक्रमणिका

ङ शोध और नैतिक प्रतिमान

1. शोध का नैतिकता से सम्बन्ध 2. शोध कार्य में ईमानदारी 3. विषय के प्रति प्रतिबद्धता 4. तथ्यों के संग्रह में नैतिक ईमानदारी 5. व्याख्यात्मंक ईमानदारी 6. पूर्वकृत शोध कार्य के यथारूप प्रस्तुतिकरण से संकोच।

Syllabus

M.A. (Hindi) Part-I
Semester I & II
एम.ए. भाग–पहला (सैमेस्टर–पहला)

पेपर एक : आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी काव्य–1

पेपर दो : हिंदी भाषा : उद्‌भव और विकास

पेपर तीन : हिंदी साहित्य का इतिहास (1850 तक)

पेपर चार : वैकल्पिक अध्ययन

1. हजारी प्रसाद द्विवेदी : विशेष अध्ययन
2. पंजाब का हिंदी साहित्य
3. हिंदी पत्रकारिता

पेपर एकः आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी काव्य–1

निर्धारित पाठ्‌य–पुस्तक

पद्यमाला सम्पादक : डॉ. लालचन्द गुप्त 'मंगल', के.के. पब्लिकेशन्स, दिल्ली, (केवल प्रथम पाँच कवि–

अब्दुलरहमान : कवि विनय, विरह– विदग्ध, नायिका का पथिक – संदेश;

चन्दबरदाई : आदि पर्व, इंछिनी– विवाह प्रसंग, बड़ी लड़ाई समय, बानबेध समय;

विद्यापति : देवी वन्दना, नोक–झोंक, राधा का मान, कृष्ण का मान, विरह, शिवसिंह का युद्ध

कबीरदास : साखी के सभी अंग, पद – केवल प्रथम सात;

जायसी : मानसरोवर खण्ड, नागमती वियोग खण्ड, नागमती संदेश खण्ड, उपसंहार खण्ड। उक्त पाँचों कवियों का यही भाग पाठ्‌यक्रम में निर्धारित है।

पेपर दो : हिंदी भाषा : उद्‌भव और विकास

निर्धारित पाठ्‌य क्रम

1. **हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि :** प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएं– वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएं। मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएं– पालि, प्राकृत, शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएं। आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएं और उनका वर्गीकरण।

2. **हिंदी का भौगोलिक विस्तार :** हिंदी की उपभाषाएं– पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियां। खड़ी बोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएं।

3. **हिंदी का भाषिक स्वरूप :** हिंदी शब्द–संरचना–उपसर्ग, प्रत्यय, समास। रूपरचना, लिंग, वचन और कारक–व्यवस्था के संदर्भ में। हिंदी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रियारूप। हिंदी वाक्य–रचना, पदक्रम और अन्विति।

4. **हिंदी की संवैधानिक स्थिति, मानकीकरण।**

5. **देवनागरी लिपि :** उत्पत्ति, विकास, विशेषताएं और मानकीकरण।

पेपर तीन : हिंदी साहित्य का इतिहास (1850 तक)

निर्धारित पाठ्यक्रम

पाठ्यविषय

1. इतिहास–दर्शन और साहित्येतिहास।
2. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, आधारभूत साम्रगी और सहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएं।
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन और सीमा–निर्धारण।
4. हिन्दी सहित्य के आदिकाल की पृष्ठभूमि, परिस्थितियां और नामकरण, प्रवृत्तियां, काव्यधाराएं उनकी प्रवृत्तियां, गद्य साहित्य।
5. पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) की पृष्ठभूमि, परिस्थितियां, सांस्कृतिक–चेतना एवं भक्ति आंदोलन।
6. (क) निर्गुण संत काव्य का वैशिष्ट्य।
   (ख) सूफी काव्य का वैशिष्ट्य।
   (ग) राम काव्य का वैशिष्ट्य।
   (घ) कृष्ण काव्य का वैशिष्ट्य।
   (ड.) भक्तिकालीन गद्य साहित्य।
7. उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की पृष्ठभूमि, परिस्थितियां और नामकरण, दरबारी संस्कृति और लक्षण–ग्रंथों की परंपरा, रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएं

(रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त) और उनकी विशेषताएं, रीतिकालीन गद्य साहित्य।

पेपर चार : (विकल्प–1) हजारीप्रसाद द्विवेदी : विशेष अध्ययन

निर्धारित पाठ्य–पुस्तकें

1. बाणभट्ट की आत्मकथा (उपन्यास), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. सिक्ख गुरुओं का पुण्य स्मरण, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. अशोक के फूल (मात्र आठ निबंध– अशोक के फूल, बसंत आ गया है, मेरी जन्मभूमि, सावधानी की आवश्यकता, भारतीय संस्कृति की देन, पुरानी पोथियां, आलोचना का स्वतन्त्र मान, मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है)।

पेपर चार : (विकल्प–2) पंजाब का हिन्दी साहित्य–1

निर्धारित पाठ्य–पुस्तकें

1. गुरु तेगबहादुर वाणी– संपादक गुरदेव कौर व जी.एस. आनंद, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला प्रकाशन।
2. मय्यादास की माड़ी (उपन्यास), भीष्म साहनी (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
3. लहरों के राजहंस (नाटक) मोहन राकेश (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

पेपर चार : (विकल्प–3) हिन्दी पत्रकारिता

पाठ्यक्रम

1. पत्रकारिता : अवधारणा और स्वरूप
2. पत्रकारिता के विविध रूप (क्षेत्र)
3. हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास
4. पत्रकार के गुण/ अपेक्षाएं
5. (क) सम्पादन कला : सम्पादक का दायित्व, सम्पादन के सिद्धान्त
   (ख) सम्पादन कार्य : सामग्री चयन, अंक योजना
   (ग) सम्पादकीय लेखन : पत्रिका की भाषा
6. साहित्यिक पत्रकारिता

7. समाचार पत्र : स्वरूप, महत्त्व, दायित्व

एम.ए. भाग–पहला (सैमेस्टर–दूसरा)

पत्रों की रूपरेखा

पेपर एक : मध्यकालीन हिंदी काव्य–2

पेपर दो : भाषा विज्ञान

पेपर तीन : हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

पेपर चार : वैकल्पिक अध्ययन

1. हिन्दी कथा साहित्य
2. पंजाब का हिन्दी साहित्य–2
3. अनुवाद कला का सैद्धांतिक पक्ष

पेपर एक : मध्यकालीन हिंदी काव्य–2

निर्धारित पाठ्य–पुस्तक

पद्यमाला : सम्पादक डॉ. लालचन्द गुप्त 'मंगल', के.के. पब्लिकेशन्स, दिल्ली, (केवल चार कवि– तुलसी, सूरदास, बिहारी, गुरु गोबिन्द सिंह)

पेपर दूसरा : भाषा विज्ञान

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. **भाषा विज्ञान :** सिद्धांत पक्ष– भाषा की उत्पति के सिद्धांत, भाषा की विशेषताएं और प्रवृत्तियां, भाषा का विकास, परिवर्तन और उसके कारण।
2. **ध्वनि–विज्ञान :** ध्वनियों का वर्गीकराण। ध्वनि–नियम, ग्रिम–नियम, ग्रासमेन–नियम, बर्नर–नियम।
3. **अर्थविज्ञान :** अर्थ–परिवर्तन, अर्थ–परिवर्तन की दिशाएं (प्रकार), अर्थ–परिवर्तन के कारण।
4. **वाक्य विज्ञान :** स्वरूप, प्रकार, परिवर्तन के कारण।

5. **भाषाओं का पारिवारिक वर्गीकरण :** वर्गीकरण का आधार, भारोपीय परिवार : महत्त्व, शाखाएं, विशेषताएं।

पेपर तीन : हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. आधुनिक काल की पृष्ठभूमि, सन् 1857 की राष्ट्रीय क्रांति और पुनर्जागरण
2. भारतेन्दु युग : हिन्दी कविता की प्रवृत्तियां, द्विवेदी युग : हिन्दी कविता की प्रवृत्तियां।
3. छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, समकालीन कविता, साहित्यिक विशेषताएं।
4. हिन्दी गद्य की विधाएं (कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा का विकास)
5. हिन्दी आलोचना का उद्‌भव और विकास।

पेपर चार : (विकल्प–1) हिंदी कथा साहित्य

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. गोदान (प्रेमचन्द)
2. मानस का हंस (अमृतलाल नागर)
3. मेरी प्रिय कहानियां (मन्नु भंडारी) (राजपाल एंड संज, दिल्ली)

पेपर चार (विकल्प–2) पंजाब का हिन्दी साहित्य–2

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. बचित्र नाटक, शिरोमणि गु.प्र.कमेटी, अमृतसर।
2. संचयन : इन्द्रनाथ मदान के ललित निबन्ध, (संपादक) डॉ. हुकुमचंद राजपाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. समय सरगम (उपन्यास) कृष्णा सोबती, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

पेपर चार (विकल्प–3) : अनुवाद कला का सैद्धांतिक पक्ष

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. अनुवाद परिभाषा, प्रक्रिया, महत्त्व
2. अनुवाद में समतुल्यता का सिद्धांत
3. अनुवादक के गुण, द्विभाषियों की भूमिका
4. अनुवाद के प्रकार : प्रकृति के आधार पर
5. पारिभाषिक शब्दावली : निर्माण के सिद्धांत, विविध प्रकार, आवश्यकता एवं महत्त्व
6. साहित्यानुवाद : कथानुवाद, नाट्यानुवाद तथा काव्यानुवाद/समस्याएं।

Syllabus

M.A. (Hindi) Part-II

Semester III & IV

एम.ए. भाग–दूसरा (सैमेस्टर–तीसरा)

पत्रों की रूपरेखा

पेपर पहला : आधुनिक हिन्दी काव्य–1

पेपर दूसरा : भारतीय काव्यशास्त्र

पेपर तीसरा : हिन्दी नाटक और निबंध

पेपर चौथा : वैकल्पिक अध्ययन :

विकल्प 1. निराला : विशेष अध्ययन

विकल्प 2. हिन्दी आलोचना और आलोचक

विकल्प 3. कबीर : विशेष अध्ययन

पेपर पहला – आधुनिक हिन्दी काव्य–1

निर्धारित पाठ्य पुस्तक

पद्यमाला, सम्पादक : डॉ. लालचन्द गुप्त 'मंगल', के.के. पब्लिकेशन्स, दिल्ली, केवल पाँच कवि– मैथिलीशरण गुप्त, प्रसाद, पंत, निराला, महादेवी।

पेपर दूसरा–भारतीय काव्यशास्त्र

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. काव्य का स्वरूप, काव्य प्रयोजन, काव्य हेतु और काव्यभेद : महाकाव्य, खंडकाव्य, गीति काव्य।
2. शब्द–शक्तिया : अभिधा, लक्षणा और व्यंजना।
3. छहसंप्रदाय : अलंकार, रीति, वक्रोक्ति, रस, ध्वनि और औचित्य। रस निष्पत्ति और साधारणीकरण।

पेपर तीन : हिन्दी नाटक और निबन्ध

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. 'स्कंदगुप्त' – जयशंकर प्रसाद
2. 'आधे अधूरे' – मोहन राकेश
3. 'चिंतामणि' : रामचंद्र शुक्ल, पाँच निबन्ध (श्रद्धा–भक्ति, करूणा, ईर्ष्या, क्रोध, साधारणीकरण और व्यक्ति– वैचित्र्यवाद)

पेपर चार : (विकल्प–1) निराला : विशेष अध्ययन

1. 'बिल्लेसुर बकरिहा' (लघु उपन्यास) राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. 'नए पत्ते' (काव्य संग्रह) लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. 'पंत और पल्लव' (आलोचना) राजकमल प्रकाशन, दिल्ली। ('निराला रचनावली' के पांचवें खण्ड में संकलित)

पेपर चार : (विकल्प–2) हिन्दी आलोचना और आलोचक

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. हिन्दी आलोचना का विकास : भारतेन्दु से महावीर प्रसाद द्विवेदी तक (सामान्य अध्ययन)
2. भारतेन्दु के श्रेष्ठ निबन्ध सम्पा. सत्यप्रकाश मिश्र, लोकभारती प्रकाशन (वितरक), इलाहाबाद (मात्र छह निबन्ध : जातीय संगीत, लेखक और नागरी–लेखक, नाटक अथवा दृश्य काव्य सिद्धांत विवेचन, हिन्दी भाषा, हिन्दी कविता, वैष्णवता और भारतवर्ष)
3. साहित्य विचार (महावीर प्रसाद द्विवेदी) सम्पा. भारत यायावर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली। (मात्र दस निबन्ध : कवि–कर्त्तव्य, कवि और कविता, कवि बनने के लिए सापेक्ष साधन, कविता का भविष्य, आजकल के हिन्दी कवि और कविता, विचार–विपर्यय, उपन्यास–रहस्य, समालोचना, हिन्दी नवरत्न, नाट्यशास्त्र)

पेपर चार : (विकल्प–3) कबीर : विशेष अध्ययन

कबीर ग्रन्थावली : सम्पा. श्यामसुन्दर दास (नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।)

1. साखी : भाग– 1, 2, 3, 4, 11, 12, 13, 16, 21 कुल 9
2. पदावली : संख्या 51 से 100 तक

एम.ए. भाग–दूसरा (सैमेस्टर–चौथा)

पत्रों की रूपरेखा

पेपर पहला : आधुनिक हिन्दी काव्य–2

पेपर दूसरा : पाश्चात्य काव्य–शास्त्र

पेपर तीसरा : प्रयोजनमूलक हिन्दी

पेपर चौथा : वैकल्पिक अध्ययन :

विकल्प 1. हिन्दी आलोचना और आलोचक

विकल्प 2. तुलसीदास (विशेष अध्ययन)

विकल्प 3. लोक साहित्य : सैद्धान्तिक अध्ययन

पेपर एक – आधुनिक हिन्दी काव्य–2

पद्यमाला, सम्पादक : डॉ. लालचन्द गुप्त 'मंगल', के.के. पब्लिकेशन, दिल्ली (केवल चार कवि : अज्ञेय, मुक्तिबोध, धूमिल, कुमार विकल)

पेपर दो–पाश्चात्य काव्यशास्त्र

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. अरस्तू का त्रासदी–विवेचन, अनुकरण–सिद्धांत, विरेचन–सिद्धांत। लोंजाइनस का उदात्त तत्त्व। आई. ए. रिचर्ड्स का मूल्य सिद्धांत। सार्त्र का अस्तित्ववाद। क्रोचे का अभिव्यंजनावाद और नई समीक्षा। विशिष्ट प्रवृत्तियां : मनोविश्लेषण और प्रगतिवाद।
2. विभिन्न साहित्यिक विधाओं की समीक्षा (निर्धारित विधाएं–उपन्यास, कहानी, नाटक, निबन्ध, आलोचना : परिभाषा, स्वरूप, तत्त्व व प्रकार से संबंधित प्रश्न किए जायेंगे।)

पेपर तीन : प्रयोजनमूलक हिन्दी

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. कामकाजी हिंदी

हिंदी के विभिन्न रूप– मातृभाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा, संचार भाषा, सर्जनात्मक भाषा। कार्यालयी हिंदी (राजभाषा) के प्रमुख प्रकार्यः प्रारूपण, पत्र–लेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पण। पारिभाषिक शब्दावली– विशेषताएं। पारिभाषिक शब्दावली– निर्माण के सिद्धांत।

2. संचार माध्यमों की हिंदी :

पत्रकारिता : स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार।

हिंदी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास।

जनसंचार : प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियां।

विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप– मुद्रण, श्रव्य, दृश्य–श्रव्य, इंटरनेट।

हिंदी कप्यूटिंग : कंप्यूटर– परिचय, रूपरेखा और उपयोग।

साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण।

3. अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार।

अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि।

हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका।

व्यावहारिक : अनुवाद– अभ्यास (अंग्रेजी/पंजाबी से हिंदी और हिंदी से अंग्रेजी/पंजाबी)

पेपर चार : विकल्प एक : हिन्दी आलोचना और आलोचक

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. हिन्दी आलोचना का विकास : शुक्ल युग से अद्यतन (सामान्य अध्ययन)
2. निर्धारित आलोचक :

(क) रामचन्द्र शुक्ल (ख) नन्ददुलारे वाजपेयी

(ग) हज़ारी प्रसाद द्विवेदी (घ) नगेन्द्र

(ड.) रामविलास शर्मा

पेपर चार : विकल्प दो : तुलसीदास (विशेष अध्ययन)

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. रामचरितमानस : उत्तरकाण्ड संपूर्ण

2. कवितावली : अयोध्याकाण्ड सम्पूर्ण।

पेपर चार : विकल्प तीन : लोक साहित्य : सैद्धान्तिक अध्ययन

निर्धारित पाठ्यक्रम

क. लोक और लोक–वार्ता तथा लोक–विज्ञान

लोक–संस्कृति : अवधारणा, लोक–वार्ता, लोक–संस्कृति और साहित्य

ख. लोक–साहित्य : अवधारणा

लोक–साहित्य के संकलन की समस्याएं

लोक–साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण :

लोक–गीत, लोक–नाट्य, लोक–कथा, लोक–गाथा, लोक–नृत्य, लोक–संगीत

ग. लोक–गीत : संस्कार–गीत, व्रत–गीत, श्रम–गीत, ऋतु–गीत, जाति–गीत।

लोक–नाट्य : रामलीला, रासलीला, यक्षगान, विदेसिया, भांड, तमाशा, नौटंकी

लोक–भाषा : लोक सुभाषित, मुहावरे, कहावतें, पहेलियां

पंजाब का लोक साहित्य : सामान्य परिचय